जसवंत सिंह विरदी के हाइकू

सरेबाज़ार
लिए घूमते कुत्ते
राजनीतिज्ञ ।

शत्रु से पूछा
फिर मेरे से पूछा
आप का नाम ।

डूबने लगा
सूर्य का तप तेज
सन्ध्या समय ।

कृपा कारण
बनता गया मित्र
बाम्बी का नाग ।

बाज़ नज़र
देखता रहा पति
पत्नी की आंख ।

शब्द की शक्ति
सम्वेदनशीलता
सद्भावना ।

हार न जीत
जीवन के खेल में
मन की जीत

जसवन्त सिंह विरदी
96-गोल्डन एवन्यू-1 जालन्धर - 144022
फोन - 0181-4610295